जब हम मत्ती 21:2–7 पढ़ते हैं, तो हम देखते हैं कि यीशु अपने शिष्यों को एक विशेष और पहली नज़र में थोड़ी अजीब लगने वाली आज्ञा देते हैं:

“जाओ उस गाँव में जो तुम्हारे सामने है, और तुरंत तुम एक गधी और उसके यंग गधे को बँधा हुआ पाओगे; उन्हें खोलो और मेरे पास ले आओ।”
— मत्ती 21:2

यीशु ने इसलिए दो जानवरों की मांग की:

एक गधी

और उसका यंग गधा (छोटा गधा)

इसका कोई कारण नहीं था। मत्ती हमें बताता है कि यह एक भविष्यवाणी की पूर्ति थी:

“ज़ायन की बेटी से कहो: देखो, तुम्हारा राजा शान्त और नम्र हृदय के साथ आता है, और वह एक गधी और उसके यंग गधे पर सवार

होगा।”
— मत्ती 21:5; देखें: सखर्याह 9:9

इस प्रकार यीशु यंग गधे पर सवार हुए, जबकि माता उसके साथ चली।

मार्क और लूका सिर्फ एक जानवर का उल्लेख क्यों करते हैं? मार्क 11:2 और लूका 19:30 में केवल एक जानवर का ज़िक्र है:

“जाओ उस गाँव में जो तुम्हारे सामने है; जब तुम अंदर जाओगे, तो एक यंग गधा बँधा हुआ मिलेगा, जिस पर अब तक कोई नहीं बैठा; उसे खोलो और ले आओ।”
— लूका 19:30

ऐसा लग सकता है कि यह विरोधाभास है, लेकिन ऐसा नहीं है।

कल्पना करें कि दो लोग एक कार दुर्घटना के साक्षी हैं:

एक बताता है कि टक्कर कैसे लगी, लेकिन कारण का ज़िक्र नहीं करता।

दूसरा बताता है कि मोटरसाइकिल कैसे चालक को टालने पर मजबूर किया।

दोनों सच बोल रहे हैं, बस अलग दृष्टिकोण से।

ठीक इसी तरह: मत्ती हमें पूरी तस्वीर दिखाते हैं, जबकि मार्क और लूका यंग गधे पर ध्यान केंद्रित करते हैं — क्योंकि उसी पर यीशु ने सवारी की। लेकिन माता केवल मौजूद नहीं थी; वह गहरे अर्थ वाली थी।

यंग गधा और उसकी माता
यीशु ने दोनों क्यों मांगे?

यंग गधा नाजुक और अनअभ्यास था — शास्त्र स्पष्ट कहता है कि किसी ने भी उस पर नहीं बैठा था (लूका 19:30)। शायद यह माता से कभी अलग नहीं हुआ था, असुरक्षित और अकेले चलने में असमर्थ।

अपनी दया में यीशु ने उसे अकेला नहीं छोड़ा, बल्कि माता को साथ रखा, ताकि उसे सांत्वना, सुरक्षा और सहारा मिले।

यह शिष्यत्व और आध्यात्मिक विकास का एक शक्तिशाली चित्र है।

हममें से कई लोग खुद को अपरिपक्व, अनभिज्ञ या कमजोर मानते हैं, और सोचते हैं:
“भगवान तो किसी मजबूत, बुद्धिमान या परिपक्व व्यक्ति का ही उपयोग करेंगे।”

लेकिन यीशु उन्हीं को चुनते हैं, जिन्हें कोई और नहीं चुनता।

माता पर क्यों नहीं सवार हुए?
क्योंकि उस क्षण यंग गधा केंद्र में था — शायद आप भी अभी वैसे ही हैं। माता केवल सहायक थी।

यंग गधा नए लोगों, नवशिक्षित विश्वासियों या आध्यात्मिक रूप से असमर्थ लोगों का प्रतीक है।

गधी माता, मेंटर्स, पादरी या आध्यात्मिक नेताओं का प्रतीक है, जो सहारा देते हैं।

भगवान हमें दिखाते हैं: यह मायने नहीं रखता कि आप “तैयार” हैं या नहीं; वह सिर्फ आपकी उपलब्धता चाहते हैं।

भगवान कमजोरों का उपयोग करते हैं
संदेश स्पष्ट है:

आप चाहे विश्वास में नए हों, अनभिज्ञ हों या खुद को अयोग्य समझें — लेकिन भगवान आपकी क्षमताओं पर बंधा नहीं है।

यीशु ने कहा:

“हे पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ, स्वर्ग और पृथ्वी के स्वामी, कि तूने इसे बुद्धिमानों और ज्ञानी लोगों से छिपा रखा और अनजान लोगों को प्रकट किया।”
— मत्ती 11:25

पॉलस लिखते हैं:

“बल्कि जो इस संसार में मूर्ख है, उसे परमेश्वर ने चुना,
ताकि ज्ञानी लोग लज्जित हों; और जो कमजोर है, उसे चुना ताकि शक्तिशाली लोग लज्जित हों।”
— 1 कुरिन्थियों 1:27

“योग्यता” का इंतज़ार मत करो
कई ईसाई तब तक इंतज़ार करते हैं जब तक वे खुद को परिपक्व न

समझें:

“पहले बाइबल स्कूल के बाद।”

“शायद, जब मैं पादरी बन जाऊँ।”

“जब मैं पूरी बाइबल जान लूँ।”

लेकिन यीशु अभी बुला रहे हैं — जैसे आप अभी हैं।

“मेरे जूए को उठाओ और मुझसे सीखो; क्योंकि मैं नम्र और विनम्र हृदय का हूँ; तुम्हारी आत्माओं को विश्राम मिलेगा। क्योंकि मेरा जूआ सहज है, और मेरा बोझ हल्का है।”
— मत्ती 11:29–30

पाम संडे – बनो यंग गधा
आज पाम संडे के दिन, विश्वभर के ईसाई याद करते हैं कि यीशु ने यरूशलेम प्रवेश किया — उस यंग गधे पर सवार होकर (मत्ती 21; मार्क 11)।

“जो भी उसके आगे बढ़ रहे थे और पीछे चल रहे थे, वे चिल्ला रहे थे: होसियाना, दाऊद के पुत्र! आशीष हो उसके नाम के साथ आने वाले को! ऊँचाई में होसियाना!”
— मत्ती 21:9

अज्ञात और प्रशिक्षित न किए गए यंग गधे ने अचानक स्तुति की कालीन पर कदम रखा।

आपका जीवन भी ऐसा ही हो सकता है।

अपने प्रभु से कहें:
“मैं यहाँ हूँ, प्रभु। मुझे ले लो। मैं शायद युवा, कमजोर या असुरक्षित हूँ — लेकिन मैं तेरा हूँ।”

केवल दो सवार हैं
आपके जीवन पर केवल दो स्वामी सवार हो सकते हैं:

यीशु, जिसका जूआ सहज है, या

शत्रु, जो दास बनाता और विनाश करता है।

“और उन्होंने यंग गधे को यीशु के पास लाया और अपने वस्त्र उस पर डाल दिए; और वह उस पर बैठ गया।”
— मार्क 11:7

आशिष
इस यंग गधे बनो:

नम्र,

चुना हुआ,

उपलब्ध,

उपयोगी।

हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम सदैव धन्य हो!
उसकी आत्मा आपको यह कहने में समर्थ करे: “हाँ, प्रभु!” क्योंकि जब आप कमजोर होते हैं, तब वह शक्तिशाली होता है।

ऊँचाई में होसियाना!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

Share on:
WhatsApp